



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 15, 1982/माघ 26, 1903

No. 26] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 15, 1982/MAGHA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है किससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

### वाणिज्य भवालय

प्रायात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या-8 प्राइटीसी (पीएन) / 82

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

विषय—1981-82 के दीराम (पूर्ण या आंशिक रूप से अभिमुख) पालिएस्टर फिलामेन्ट यार्न का प्रायात।

मिसिल सं. प्राइटीसी/3/51/79—वाणिज्य भवालय को सार्वजनिक सूचना संख्या मं. 13 प्राइटीसी/पीएन/81, दिनांक 3 अप्रैल 1981 के अधीन यथा संशोधित 'भैल-1981-मार्च-1982' के लिए प्रायात नीति के अनुसार खुले सामान्य साइरेस के यष्टीतं निर्धारित रूप में अनुसार सास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीयोगिक) के लिए बेस फ्लेट, प्रथम स्थालिटी (पूर्ण/आंशिक रूप से अभिमुख) पालिएस्टर फिलामेन्ट यार्न का प्रायात अनुमेय है।

2. एक प्रश्न उठाया गया था कि क्या श्रीयोगिक (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1951 की प्रथम अनुसूची की क्रम सं. 23(1) के अधीन अनुशासन सूची मिले वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीयोगिक) के रूप में खुले सामान्य साइरेस के अस्तांत (पूर्ण/आंशिक रूप से अभिमुख) पालिएस्टर फिलामेन्ट यार्न के प्रायात के लिए पत्र थीं। मामसे की जांच की गई है श्रीयोगिक सभी सम्बद्धों के लिए नियति इस प्रकार सार्वत्र की जाती है :—

"श्रीयोगिक (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1951 की प्रथम अनुसूची की मर्द सं. 23(1) उम उद्दोग के आरे में बनाई

है जो सूती यार्न, होजी श्रीर रस्से सहित पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से सूत से तैयार किए गए कपड़े के विनियम या उत्पादन में समावृत्त है। नवनुसार, कानूनी तौर पर यह कहना सही होगा कि उत्क कानून के प्रावधान के अनुसार इसके अधीन अनुशासन/पंजीकृत उद्योग के लिए कपड़े के विनियम या उत्पादन के प्रयोजन के लिए सूत के अतिरिक्त पालिएस्टर फिलामेन्ट यार्न के उपयोग के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है।"

3. उपर्युक्त स्पष्टीकरण के अन्तर्गत आने वाले श्रीयोगिक एक वास्तविक उपयोक्ताओं के रूप में खुले सामान्य लाइरेस के अन्तर्गत (पूर्ण या आंशिक रूप से अभिमुख) पालिएस्टर फिलामेन्ट यार्न के प्रायात के लिए पत्र हैं।

4. इस स्पष्टीकरण का उन अन्य नियमों तथा शर्तों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके अधीन सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता प्रायातक को एक श्रीयोगिक लाइरेस/पंजीकरण प्रबान दिया गया है।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक

प्रायात-नियांत्रित

तथा राम, मंगुस्त गूच्छ नियंत्रक प्रायात नियांत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 8-ITC(PN)/82

New Delhi, the 15th February, 1982

Subject—Import of Polyester Filament Yarn (fully or partially-oriented) during 1981-82.

File No. IPC/3/51/79.—In accordance with the Import Policy for April-1981—March 1982, published under the

Ministry of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81 dated the 3rd April, 1981, as amended, the import of Polyester Filament Yarn base flat, first quality (fully/partially oriented) is allowed under Open General Licence to Actual Users (Industrial) in accordance with the condition laid down.

2. A question had been raised whether cotton mills licensed under Item No. 23(1) of the First Schedule to the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, were eligible to import Polyester filament yarn (fully/partially oriented) under Open General Licence as Actual Users (Industrial). This matter has been examined, and the position is clarified as under for the guidance of all concerned :—

"Item 23(1) of the First Schedule to the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, relates to an industry engaged in the manufacture or production of textiles made wholly or in part of cotton including cotton yarn, hosiery and rope. Accordingly, it

would be legally correct to say that in terms of the said provision of law, there is no restriction in an industry licensed/registered under it, using polyester filament in addition to cotton for the purpose of manufacturing or producing textiles."

3. Industrial units covered by the above clarification are eligible to import polyester filament yarn (fully/partially oriented) under OGL as Actual Users (Industrial).

4. This clarification is without prejudice to any other terms or conditions subject to which an industrial licence/registration has been granted to the concerned Actual User importer.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller  
of Imports & Exports.

TAKHAT RAM, Jt. Chief Controller  
Imports & Exports.